जिले में मानव तस्करी का संदेह, पुलिस ने झाड़ा पल्ला

गुजरात प्रांत ले जाई जा रहीं युवतियां, रेलवे स्टेशन बरगवां में हुआ बवाल, नहीं हुई गहन जांच

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 जून। जिले में मानव तस्करी के लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच रविवार की रात एक नया घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। मोरवा रेलवे स्टेशन से करीब डेढ़ दर्जन युवतियों को गुजरात ले जाए जाने की सूचना पर हंगामा खड़ा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेलवे स्टेशन पर मौजूद कुछ लोगों ने एक युवती को रोते-बिलखते और मुझे दूसरे प्रांत गुजरात में नहीं जाना कहते देखा, जिसके बाद मामला संदिग्ध लगने पर परिजनों से संपर्क किया गया तथा बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी दी गई।

मामला बरगवां रेलवे स्टेशन पहुंचते-पहुंचते इतना बढ़ गया कि वहां जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि युवतियों को ले जा रहे लोगों और विरोध कर रहे कुछ लोगों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान भोपाल-सिंगरौली ट्रेन एक घंटे से अधिक समय तक स्टेशन पर खड़ी रही। घटना के वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है, जिनमें विवाद और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सभी युवतियां चितरंगी क्षेत्र के आदिवासी परिवारों से जुड़ी बताई जा रही थीं। युवतियों की उम्र को लेकर भी सवाल उठे, क्योंकि कथित तौर पर उनके आधार कार्ड हाल ही में बने हुए बताए जा रहे हैं। इससे उम्र संबंधी दस्तावेजों की सत्यता को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सभी लड़कियां चितरंगी एवं सरई क्षेत्र की बताई जा रही हैं।

पूछतांछ के बाद पुलिस ने युवतियों को भेजा घर

सूचना मिलने पर बरगवां पुलिस ने सभी युवतियों को अपने संरक्षण में लिया। महिला बल न होने के कारण उन्हें बैढ़न महिला थाना भेजा गया, जहां पूछतांछ और दस्तावेजों की जांच के बाद पुलिस ने सभी को बालिग बताते हुए अभिभावकों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस का कहना है कि युवतियां अपने परिजनों की सहमति से कमाने के लिए जा रही थीं। हालांकि बड़ा सवाल अब भी कायम है कि युवतियां किस संस्था के माध्यम से दूसरे प्रांत गुजरात भेजी जा रही थीं, उन्हें ले जाने वाले लोग कौन थे और स्टेशन पर उत्पन्न हुए विवाद की गहराई से जांच क्यों नहीं हुई। जिले से लगातार युवतियों के गायब होने और मानव तस्करी की आशंकाओं के बीच यह मामला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी पर टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

यूपी एसटीएफ ने रीवा के पनवार में की कार्यवाही

नवभारत न्यूज

रीवा, 22 जून, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी को लेकर सोशल मीडिया पर कथित अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ उत्तर प्रदेश एसटीएफ, साइबर क्राइम पुलिस कानपुर एवं रीवा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की है.

जानकारी के अनुसार रीवा जिले के पनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वा कल्याणपुर गांव निवासी नागेश्वर सिंह बघेल पिता लालमणि सिंह बघेल ने सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव की बेटी के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. मामले को साइबर क्राइम पुलिस कानपुर ने संज्ञान में लिया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम रीवा पहुंची. पनवार थाना प्रभारी प्रवीण उपाध्याय के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके गांव पूर्वा कल्याणपुर से हिरासत में लिया. आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को उत्तर प्रदेश एसटीएफ के सुपुर्द कर दिया गया. बताया जा रहा है कि आरोपी को आगे की पूछताछ एवं जांच के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया गया है. मामले में साइबर अपराध से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच जारी है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणियों को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

विवि प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं नहीं करा पाया

हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकार मे

नवभारत न्यूज

सतना, 22 जून. अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की घोर प्रशासनिक लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण विंध्य क्षेत्र के हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य पूरी तरह दांव पर लग गया है.

विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराने में प्रबंधन इस कदर नाकाम साबित हुआ है कि देखते ही देखते पूरा साल बीतने को आ गया है लेकिन अब तक परीक्षा की तारीखों का कोई अता-पता नहीं है.जो परीक्षाएं नियमानुसार पिछले साल नवंबर और दिसंबर के महीने में ही संपन्न हो जानी चाहिए थीं, वे आज तक आयोजित नहीं की जा सकी हैं.इस भयंकर लेटलतीफी के कारण न केवल अकादमिक कैलेंडर पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है बल्कि छात्र-छात्राओं के भीतर गहरा आक्रोश और मानसिक तनाव पनप रहा है.उच्च शिक्षा विभाग के दावों और नियमों को ठेंगा दिखाते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और उसे इस बात का रत्ती भर भी अहसास नहीं है कि उसकी इस सुस्ती के कारण हजारों छात्रों का पूरा एक साल बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गया है. विश्वविद्यालय के भीतर मचे इस प्रशासनिक ढर्रे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रबंधन न तो समय पर नया पाठ्यक्रम और सिलेबस तैयार कर पाया और न ही सत्र को नियमित रखने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना बना सका.समय पर सिलेबस तैयार न होने और फिर परीक्षा फॉर्म से लेकर परीक्षा की समय-सारणी घोषित करने में बरती गई सुस्ती ने पूरे सिस्टम को पंगु बना दिया है। आज स्थिति यह है कि प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में जहां अगले सेमेस्टर की पढ़ाई और परीक्षाओं की तैयारियां चल रही हैं, वहीं एपीएसयू से संबद्ध कॉलेजों के छात्र अभी भी प्रथम सेमेस्टर के ही फेर में फंसे हुए हैं.कॉलेजों में केवल कागजी औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं और छात्र रोज इस उम्मीद में कॉलेज और इंटरनेट कैफे के चक्कर काटते हैं कि शायद आज उनकी परीक्षाओं को लेकर कोई अधिसूचना जारी होगी, लेकिन हर दिन उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लगती है।इस पूरी अव्यवस्था को लेकर समूचे छात्रो में भारी नाराजगी और उबाल देखा जा रहा है। छात्रों का साफ तौर पर कहना है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन उनके करियर और भविष्य के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रहा है.समय पर परीक्षाएं न होने और रिजल्ट में होने वाली संभावित देरी के कारण वे आगे चलकर किसी भी बड़ी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने के योग्य नहीं बचेंगे, और न ही वे देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए समय पर आवेदन कर पाएंगे.कई छात्रों का यह भी आरोप है कि फीस जमा कराने के मामले में विश्वविद्यालय बेहद सक्रिय रहता है लेकिन जब बात छात्रों को सुविधाएं देने और समय पर परीक्षाएं आयोजित कराने की आती है तो जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लेते हैं। इस अव्यवस्था के कारण रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के हजारों परिवारों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर भारी चिंता बनी हुई है।

शिक्षा जगत के जानकारों का कहना है कि किसी भी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के लिए सत्र का इस तरह से पिछड़ना बेहद शर्मनाक है और यह सीधे तौर पर कुलपति व परीक्षा नियंत्रक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है.लगातार हो रही देरी और छात्रों के बढ़ते विरोध के बावजूद विश्वविद्यालय के आला अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं और उनके पास इस देरी का कोई ठोस जवाब नहीं है।

समय सारणी जारी हो गई है : कुरारिया

एपीएसयू विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु राजेन्द्र कुमार कुरारिया ने नवभारत को बताया कि सिलेबस समय पर नहीं बन पाया जिसके कारण परीक्षाए समय पर नहीं हो पाई अब परीक्षा की समय सारणी जारी कर दी गई है. प्रयास यह किया जाएगा की छात्रों के साथ किसी प्रकार का नुकसान न हो.

गजरही में रेलवे की अधिग्रहित जमीन से फिर हटा अक्रिमण

नवभारत न्यूज

सीधी, 22 जून. जिले के थाना बहरी अंतर्गत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन गजरही में फिर अतिक्रमण हटाने का अभियान सोमवार को शुरू हुआ ।

उस दौरान काफी संख्या में पुलिस अमले एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। इसके पहले भी अतिक्रमण हटाने की पहल की गई थी लेकिन कुछ लोगों द्वारा विरोध के बाद इस पर रोंक लगी थी फिर आज अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया गया। कई घरौंदे गिराए गए। राजस्व एवं पुलिस अमला की संयुक्त उपस्थिति के दौरान यह कार्रवाई की गई है। मालूम हो कि यहां अतिक्रमण को लेकर काफी शिकायतें थी। इसके बाद भी लोग जमीन या घर छोंडने के लिए तैयार नहीं थे जिस वजह से कार्रवाई हुई है। रेल में अधिग्रहित जमीन को लेकर भू-स्वामियों का कहना है कि पहले हमें मुआवजा दिया जाए। इसके बाद हमारे घर एवं जमीन में रेलवे कब्जा करे लेकिन उनकी बातों को अनसुनी कर अब घर गिराने के लिए भी प्रशासनिक अमला रेलवे के साथ तैयार हो चुकी है। जिस वजह से आज फिर से घर गिराने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां के लोगों की मुख्य मांग यह भी रही कि नौकरी मिले लेकिन मांगों को अनसुनी कर प्रशासन अपने स्तर से काम करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही अब यह माना जा रहा है कि बरसात हो या कोई भी समस्या हो हमें घर गिराना है। रेल की पटरी बिछाना है। इस मामले में रेलवे प्रबंधन के साथ राजस्व एवं पुलिस अमले द्वारा घर गिराने का काम शुरू किया गया है।

इनका कहना है

गजरही में हटाये जा रहे अतिक्रमणों के संबंध में मुझे कुछ भी नही कहना है।

इन्द्रभान सिंह
तहसीलदार बरही

महान नदी में दो बच्चों की डूबने से मौत

सरई थाना क्षेत्र के फुलझर गांव में हुआ हादसा, नहाने गये थे दोनों बच्चे

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 जून। जिले के सरई थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया। महान नदी में नहाने गए दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की पुष्टि पुलिस ने की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा सरई थाना अंतर्गत तिनगुड़ी चौकी क्षेत्र के फुलझर गांव में बच्चे नदी में नहाने गए थे, इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से आशीष सिंह उम्र 5 वर्ष पिता लल्लू सिंह निवासी बकहुल बोदरा टोला तथा रोशनी सिंह पिता शिवभान सिंह उम्र 13 वर्ष निवासी दहजुड़ में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं पुलिस ने बताया कि बच्ची व बालक सुबह डूबी थी। मृतक के परिजनों को कहीं से जानकारी लगी। महान नदी से तलाश किये, लेकिन तब तक में दोनों की मौत हो चुकी थी। तलाश करने में लगे लोगों को भी उचित स्थान खोजने में कुछ समय लग गया. हलांकि बाद में दोनों बच्चों का शव नदी से बरामद कर लिया गया.

पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा परिजनों से पूछतांछ की जा रही है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर ही है।

अधूरे एनएच-39 पर फिर हादसा, दो युवक घायल

कोयला लोड ट्रक बाइक से टकराकर खाई में पलटा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 जून। 14 वर्षों से निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर एक बार फिर गंभीर सड़क दुर्घटना ने निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जियावन थाना क्षेत्र के ग्राम जोगनी स्थित खाखन पुल के समीप कोयला लोड एक ट्रक अनियंत्रित होकर बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में दो बाइक सवार घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक सिंगरौली से सीधी की ओर जा रहा था। खाखन पुल के पास अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने जा रहे बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद ट्रक सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक केबिन में फंस गया, जिसे जियावन पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एनएच-39 का निर्माण कार्य करीब डेढ़ दशक से अधूरा है। जगह-जगह टूटी सड़क, अधूरे पुल-पुलिया और भारी वाहनों का दबाव लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। लोगों ने राजमार्ग का निर्माण शीघ्र पूरा कर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

रामपुर जनपद अध्यक्ष के खिलाफ फिर अविश्वास का आवेदन

नाराज सदस्यों ने कलेक्टर के पास पहुंचकर स्वयं सौंपा आवेदन

नवभारत न्यूज

सतना, 22 जून. जिले की जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जनपद अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू के खिलाफ एक साल के भीतर यह दूसरा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। 25 में से 10 जनपद सदस्यों ने इस संबंध में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को नोटिस सौंपा है। इन आरोपों के बाद अध्यक्ष की कुर्सी पर संकट गहरा गया है।

अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले जनपद सदस्यों का आरोप है कि अध्यक्ष द्वारा विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि आवंटन में भारी अनियमितताएं की जा रही हैं। उनका कहना है कि जनपद क्षेत्र के विकास कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है और कई मामलों में पक्षपातपूर्ण तरीके से निर्णय लिए गए हैं। बैठकें नहीं बुलाने का आरोप लगाया सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया है कि जनपद पंचायत की नियमित बैठकें नहीं बुलाई जाती हैं। इससे जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने और क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा करने का अवसर नहीं मिल पाता। उनका यह भी कहना है कि बैठकों में उनके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को कार्यवाही रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाता और उन्हें नजरअंदाज किया जाता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ रही है। कलेक्टर को सौंपे गए अविश्वास प्रस्ताव पर जनपद सदस्य प्रशांत सिंह बघेल, इंदु सिंह, आशालता सिंह, नेहा सिंह, सुलोचना सिंह, प्रतिभा सिंह, बेला सिंह, भूपेंद्र सिंह, रामबाई रावत और सुखिनंद चौधरी के हस्ताक्षर हैं। अविश्वास प्रस्ताव का यह है नियम नियमों के अनुसार, जनपद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए एक तिहाई सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है। 25 सदस्यों वाली इस जनपद में 10 सदस्यों ने हस्ताक्षर कर कलेक्टर को नोटिस दिया है, जो इस शर्त को पूरा करता है। अविश्वास प्रस्ताव के मतदान के समय इसे पारित कराने के लिए दो तिहाई सदस्यों का अध्यक्ष के खिलाफ मतदान करना अनिवार्य होगा।

विशेष कॉम्बिंग गस्त में 37 फरार आरोपी गिरफ्तार

सीधी, 22 जून. जिलेभर में विशेष साप्ताहिक कॉम्बिंग गश्त अभियान दिनांक 21-22 जून 2026 की दरम्यानी रात्रि चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में दबिश देकर 11 स्थाई वारंट एवं 26 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा कुल 37 फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर की जाती रहेगी।

आंधी में उड़ी सीट को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदला

पड़ोसी ने कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से किया हमला, तीन घायल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 जून। मोरवा थाना क्षेत्र के मेढ़ौली में पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। आरोप है कि पड़ोसी पक्ष के तीन लोगों ने घर पहुंचकर खिड़की का कांच तोड़ा और कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना रविवार रात की बताई जा रही है। इस मामले में मोरवा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार मेढ़ौली आदर्श गंगा स्कूल के पास के निवासी अनिल कुमार पटवा ने मोरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 11 जून को आए आंधी-तूफान में उनके घर की सीटा उड़कर पड़ोसी आनंदराम उर्फ आनंद बसोर के घर की ओर चली गई थी। जिसमें उसकी सीट का नुकसान हुआ था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, हालांकि बाद में स्थानीय पार्षद के दखल से आपसी समझौता हो गया था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते 21 जून की रात करीब 10:30 बजे आनंदराम उर्फ आनंद अपने पुत्रों लालता प्रसाद वर्मा और मिंटू वर्मा के साथ अनिल पटवा के घर पहुंचा। तीनों ने पहले घर की खिड़की का कांच तोड़ा। शोर सुनकर जब अनिल पटवा, उनकी पत्नी गीता देवी और पुत्र हर्षित कुमार बाहर निकले तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। फरियादी के अनुसार आनंदराम ने कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे अनिल पटवा के सिर में गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंची पत्नी गीता देवी को भी कुल्हाड़ी लगने से सिर में चोट आई। वहीं पुत्र हर्षित कुमार को लालता प्रसाद और मिंटू वर्मा ने लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उसे सिर, पीठ और कंधों में चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। घटना के दौरान आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जाते समय आरोपियों द्वारा दोबारा विवाद करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

अमहिया दरगाह की बाउंड्री सहित अतिक्रमण पर कार्यवाही

आपसी समझौते से हटाया गया अतिक्रमण

नवभारत न्यूज

रीवा, 22 जून, रीवा शहर के अमहिया मार्ग में चौड़ीकरण के काम में अतिक्रमण की जद मे फंसी दरगाह की बाउंड्री सहित एक अन्य अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई है.

यह कार्यवाही नगर निगम ने दरगाह कमेटी व अन्य लोगो के आपसी समझौते के बाद की है. गौरतलब है कि अमहिया मार्ग के किनारे स्थित प्राचीन दरगाह को लेकर पहले भी स्थानीय लोगों द्वारा आपत्ति जताई गई थी. लोगों का कहना था कि दरगाह की बाउंड्री के कारण आवागमन अवरूद्ध होता है. फिलहाल आज नगर के द्वारा दरगाह की बाउंड्रीवाल के साथ साथ दरगाह के सामने से अतिक्रमण को दोनों पक्षों की आपसी सहमति से हटाया गया है. हालाकि आपसी समझौते से हुई इस कार्यवाही के दौरान भी विरोधाभास भी देखने को मिला है.

अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान
(विश्वविद्यालय समतुल्य)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्त संगठन, भारत सरकार
गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई – 400088
संपर्क विवरण: टेलीफ़ोन: 91–22– 42372468
ईमेल : admission@iipsindia.ac.in वेबसाइट : www.iipsindia.ac.in

प्रवेश घोषणा – शैक्षणिक वर्ष 2026–2027

अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस), जो भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन वर्ष 1956 में स्थापित एक स्वायत्त संगठन है, शैक्षणिक सत्र 2026–2027 हेतु निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:

- जनसंख्या अध्ययन में एम.ए. / एम.एससी. [मासिक छात्रवृत्ति: ₹5,000 / –]*
- जैव–सांख्यिकी एवं जनांकिकी में एम.एससी. [मासिक छात्रवृत्ति: ₹5,000 / –]*
- सर्वेक्षण अनुसंधान एवं डाटा विश्लेषकी में एम.एससी. [मासिक छात्रवृत्ति: ₹5,000 /]*
- जनसंख्या अध्ययन में पीएच.डी. [भारत सरकार–आईआईपीएस, यूजीसी–जेआरएफ छात्रवृत्ति आदि]
- जनसंख्या अध्ययन में अंशकालिक पीएच.डी.
- पोस्ट–डॉक्टोरल छात्रवृत्ति (पीडीएफ) कार्यक्रम [मासिक छात्रवृत्ति रु. 50,000 / – + आवास भत्ता (एचआरए)]

[* छात्रावास सुविधा उपलब्ध है]

आवेदन ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि: 30-06-2026 (सुबह 11.00 बजे)।
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।
अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें: www.iipsindia.ac.in

निदेशक एवं वरिष्ठ प्रोफेसर (अतिरिक्त प्रभार)

ट्रैक्टर इंजन के विवाद में वन कर्मी ने किया फायर, ग्रामीणों में आक्रोश

- सोनघड़ियाल बीछी के माचीकला की घटना,

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 जून। सोनघड़ियाल बीछी बगदरा के माची कला गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक वन कर्मी राइफल से दो फायर कर दिया। राइफल विभाग की है या निजी, यह तो वन कर्मी ही बताएगा। लेकिन वन कर्मी के इस दुस्साहस कदम से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन कर्मी गुण्डागर्दी पर उतारू है।

इस संबंध में माचीकला के ग्रामीणों की बात माने तो गांव के ही एक युवक ने अपने स्टेटस में ट्रैक्टर में किसी नदी का रेत लोड होते लगाया था। वन कर्मी का उक्त स्टेटस में नजर पड़ी, तो उसने आव न देखा ताव सीधे एक यादव परिवार के घर पहुंच गया। जहां ट्रैक्टर इंजन के साथ खड़ा था और ट्रॉली कहां थी किसी को भी पता नही था। परंतु बीट गार्ड अड़ गया और ट्रैक्टर इंजन को रेत चोरी का आरोप लगाकर ले जाने पर अमादा हो गया। गांव के लोग जब विरोध करने लगे तो उसने अन्य वन कर्मियों के साथ-साथ पुलिस को भी बुला दिया। इसके बावजूद ग्रामीण ट्रैक्टर इंजन को नही जाने दे रहे थे। इसी बीच वन कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ धक्कामुक्की करते हुये धमकाने लगे। वन कर्मी राइफल लिया था और दो फायर कर दिया। फिर भी सैकड़ों ग्रामीण ट्रैक्टर को जाने नही दिया। बताया जाता है कि उक्त ट्रैक्टर सुदामा यादव परिवार से जुड़ा हुआ है और आरोप है कि वन कर्मी जबरियन ट्रैक्टर ले जा रहे थे। उनका मकसद फेल हो गया, परंतु उक्त घटनाक्रम को लेकर आरोप यही लग रहा है कि सोनघड़ियाल अमले के संरक्षण में कई रेत कारोबारी फल-फूल रहे हैं और जहां तालमेल नही बनता है, उनपर कार्रवाई में लगे रहते हैं। फिलहाल उक्त घटना को लेकर वन कर्मियों की गुंडागर्दी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

सैकड़ों महिलाओं ने संभाला मोर्चा

प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि वन कर्मी जबरन ट्रैक्टर इंजन ले जा रहे थे। जबकि मौके पर कोई रेता नही था और न ही पास में ट्रॉली थी। ग्रामीणों का दावा है कि ट्रैक्टर इंजन घर के पास कई दिनों से खड़ा है। इसके बावजूद वन कर्मी सुरक्षा गार्ड अपने स्वार्थ सिद्ध करने और अपने जिद्द को पूरा करने के लिए ट्रैक्टर इंजन ले जाने के लिए अड़ा हुआ था। परंतु सैकड़ों महिलाएं ट्रैक्टर के सामने आ गई। साथ ही घटनास्थल पर भारी भीड़ देख पुलिस कर्मियों के भी पसीने छूटने लगे। वहीं सवाल उठाया जा रहा है कि हवाई फायर करने की छूट किसने दी। जबकि मौके पर उतना तनाव भी नही थी और न ही ग्रामीण किसी पर भी हमला किये थे। बल्कि उल्टा वन कर्मी ही धक्कामुक्की कर रहे थे।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी* फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99